

अधिकांश पंचायत भवनों में लटकता मिला ताला, पंचायत सहायक रहे नदारद

रिएल्टी चेक में सामने आई हकीकतः शासन के मंसूबों पर पानी फेर रहे लापरवाह कर्मचारी, खण्ड विकास आधिकारी बोले जांच कर करेंगे कार्यवाही

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट



रहने से ग्रामीणों को सरकारी वर्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने लाखों रुपए खर्च कर पंचायत भवनों को हाइटेक बनाया है। जिससे साफ हो रहा है कि कर्मचारी बोरे काम किए ही हर माह फी को बेतान लेना चाह रहे हैं। कर्मचारी अपने मनमर्जी के मालिक बने हैं। पंचायत भवन बंद होने और पंचायत सहायकों के गायब

हैं। जिससे ग्रामीणों को जन्म प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र, विधवा पेंशन व बृद्ध पेंशन बनवाने के लिए ब्लॉक मुख्यालय तक दौड़ न लगानी

पड़े। कंप्यूटर सिस्टम के लिए सरकार द्वारा दिए गए एक लाख 75 हजार रुपये खर्च करने के बावजूद पंचायत भवनों में हमेशा ताला ही बंद

है। इस मामले को लेकर जब खण्ड विकास आधिकारी मानिकपुर शीलेंद्र सिंह से की गई तो उन्होंने ने कहा कि भी कर्मचारी गायब मिले हैं, उनका वेतन राकर कार्यवाही की जाएगी। पंचायत स्तरीय कार्य में कोई भी लापरवाही वर्द्धित नहीं की जाएगी। पंचायत भवन बंद पाए जाने पर संघीची पंचायत सहायक के खिलाफ कर्वाई की जाएगी।

इन पंचायत सचिवालयों में लटकता मिला ताला

जन एक्सप्रेस के रिएल्टी चेक में मानिकपुर ब्लॉक के अमचुर नेरुआ, किन्नरिया, मनगवा, बिभिया, इट्टा डुड़ाला ग्राम पंचायत के सचिवालयों में ताला बंद था। पंचायत सहायक गायब रहे। ग्रामीणों ने बताया आज ही नहीं पंचायत सहायक हमेशा गायब रहते हैं।

शनिवार को जन एक्सप्रेस के रिएल्टी चेक में हकीकत सामने आई है। मानिकपुर क्षेत्र के अमचुर नेरुआ, किन्नरिया, टिकरिया, मनगवा, बिभिया, इट्टा डुड़ाला ग्राम पंचायत के सचिवालयों में ताला बंद था। पंचायत सहायक नदारद मिले। शासकीय कार्यों में कितनी लापरवाही बरती जा रही है, इससे सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है। कर्मचारियों द्वारा अपनी ड्यूटी कितनी इमानदारी से की जा रही है इसका ज्वलन उत्तरांग जन एक्सप्रेस के रिएल्टी चेक है। इससे साफ हो रहा है कि कर्मचारी बोरे काम किए ही हर वर्ष फी को बेतान लेना चाह रहे हैं। कर्मचारी अपने मनमर्जी के मालिक बने हैं। पंचायत भवन बंद होने और पंचायत सहायकों के गायब

हैं। जिससे ग्रामीणों को सरकारी विधवा योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार ने लाखों रुपए खर्च कर पंचायत भवनों को हाइटेक बनाया

है। जिससे ग्रामीणों को जन्म प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र, विधवा पेंशन व बृद्ध पेंशन बनवाने के लिए ब्लॉक मुख्यालय तक दौड़ न लगानी

रहता है। शानदार भवन और कंप्यूटर सिस्टम से लैस कर पंचायत सहायकों की सचिवालय में ही हो जाए। लेकिन नियुक्ती की गई है जिससे लोगों को पंचायत भवनों का ताला ही नहीं खुल रहा है।

लापरवाही से ग्रामीणों को हो रही समस्याएः नत्यू कोल

मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन नत्यू कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था

कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायक की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

किंतु इनकी जांच की जाएगी। आरोपी के विरुद्ध थाना राजपुर में एनडीएस एक्ट के तहत अधियोग पंजीकृत किया गया।

गांजा के साथ गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थ की तरफ सरकारी एवं बिक्री की रोकथाम के लिए बताये जा रहे अभियान के क्रम में प्रधारी निरीक्षक राजपुर मनोज कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक संघीय लवकुण्ड यादव, अजय मिश्र निवासी ग्राम राजपुर को 3 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना राजपुर में एनडीएस एक्ट के तहत अधियोग पंजीकृत किया गया।

कारतूस के साथ गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस | चित्रकूट

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराध के विरुद्ध की जा रही

सुरक्षानुसार अपने घरों में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। अधिकारी ग्राम पंचायत सहायकों को नियुक्त करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने

मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन नत्यू कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था

कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन नत्यू कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

मानिकपुर नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन नत्यू कोल का कहना है कि पंचायत सहायकों को नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचायत में होने वाले प्रेमेंट करने की जिम्मेदारी पंचायत सहायकों की है, लेकिन उनसे प्रेमेंट न कराकर अपने मामाकिंग छहतों से कराया जा रहा है। कई प्रधानों की डॉलां भी उनके पास नहीं हैं, जो गैरकानूनी हैं।

नियुक्त करने का उद्देश्य था जिससे ग्रामीणों को मिल सके। उनको मानदेय तो मिल रहा है, लेकिन वे कभी कभार ही पंचायत भवन पहुंचते हैं। जिससे ग्रामीणों को सचिवालय में रुक्यात्मक योजनाएँ बढ़ावा देते हैं। ग्राम पंचाय

कमीशन के खेल में सड़क निर्माण कार्य हुआ था फेल

* नवलपुर लार बाईपास का होगा उद्घार, राज्यमंत्री की हो रही जयकार

जन एक्सप्रेस | संजय गिराव

देवरिया। सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा के कार्यकाल में बनी नवलपुर - लार रोड और लार बाईपास की सूत अब बदलने वाली है। विभाग से इस सड़क के पुनरोद्धार की सूचना मिली है तभी से क्षेत्रीय लोगों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम का आपार बत्त कर रहे हैं और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदिल्यनाथ की जयकार किया जा रहा है। पिछले कार्यकाल में यह सड़क निर्माण कार्य के दैरान इस कदर भ्रष्टाचार की घटना कि बनने के साथ ही उड़ाने लगी थी। घटिया निर्माण की वजह से अपने निर्माण काल के एक वर्ष के अंदर ही सड़क पूरी तरह खारब हो गई। जनता के बीच सरकार की खबर कियकरी भी हुई। विभाग और जनप्रतिनिधियों के प्रयास से कई बार मरम्मत हुई और चिप्पी साट



कर सड़क को चलने योग्य बनाया गया। बता दें कि लार बाईपास सड़क निर्माण में धांधली इस कदर की गई कि सड़क निर्माण के पहली छलाई कराई गई परंतु इस सीमेंट कांक्रीट की सड़क में ही पिच सड़क पूरी तरह

ध्वस्त हो गई थी। भ्रष्टाचार में शिवायर बरकर बनने वाले जिम्मेदारों द्वारा सड़क की सीमेंट कंक्रीट के छलाई कराई गई में इन दोनों सड़कों के निर्माण में ही पिच सड़क पूरी तरह

